राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

मेधा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह

प्रगति आख्या

सत्र 2021-22

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर की स्थापना 3 दिसंबर 1977 को 10 छात्राओं एवं कला संकाय के 09 विषयों के साथ हुई। । सम्प्रति महाविद्यालय में स्नातक-कला स्तर पर 18 विषय, स्नातक-विज्ञान स्तर पर पांच विषय तथा सात मानविकी विषयों एवं एक विज्ञान विषय में परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जिनमें 2721 छात्राएं संस्थागत, 135 छात्राएं व्यक्तिगत रूप में अध्यनरत तथा विभिन्न विषयों में 34 छात्र शोधरत हैं। महाविद्यालय में 27,500 से अधिक पुस्तकों एवं विभिन्न विषयों से संबंधित मासिक पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं की सुविधा, स्वच्छ RO पेयजल, साफ- सुथरे शौचालयों तथा छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है।

परंपरागत पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा यहां स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट के कोर्स की सुविधा उपलब्ध है, इसमें वर्तमान सत्र में 43 नए पाठ्यक्रमों में मान्यता प्राप्त हुई है । साथ ही NIELIT भारत सरकार द्वारा CCC तथा O लेवलकंप्यूटर पाठ्यक्रम वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर संचालित किए जा रहे हैं। महाविद्यालय में गत वर्ष स्नातक कला वर्ग का परीक्षा परिणाम 97%, स्नातक विज्ञान वर्ग का 100%, तथा सभी स्नातकोत्तर विषयों का परीक्षा परिणाम 100% रहा । महाविद्यालय के समस्त विभाग कंप्यूटर-लैपटॉप,**Wi-Fi, LAN** निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु इनवर्टर की सुविधा से युक्त हैं । प्रवेश प्रक्रिया मेरिट पर आधारित ऑनलाइन एवं पारदर्शी है। N-LIST का यह महाविद्यालय रजिस्टर्ड सदस्य है। भारत सरकार प्रदत्त Edusat प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला महाविद्यालय में स्थापित है । राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के अंतर्गत 2.0 करोड रुपये स्वीकृत हैं, जिसके 82%

आवंटन का उपयोग कर 07 स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी आटोमेशन तथा नवनिर्मित स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान व्याख्यान कक्ष एवं प्रयोगशाला का अधिग्रहण कर कक्षा संचालन की व्यवस्था की गई है।

छात्राओं के साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक विकास के लिए महाविद्यालय के सभी विभागों में परिषदों का गठन किया गया है, जिनके द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता , निबंध लेखन, लोक नृत्य- लोकगीत, राउण्ड टेबल कॉन्फ्रेंस, पाट डेकोरेशन, प्राकृतिक दृश्य चित्रण, मॉडल एवं चार्ट निर्माण , गंगा यात्रा पर आधारित विविध प्रतियोगिताएं, काव्य पाठ, वाद-विवाद, पत्रकारिता, मानचित्र निर्माण, पत्र लेखन, भाषण, भौगोलिक ज्ञान अभिव्यक्ति एवं तार्किक ज्ञान प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया । महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका कीर्ति तथा अर्धवार्षिक पत्रिका लक्ष्य रचना धर्मिता का विशिष्ट अवसर छात्राओं को प्रदान करती है।शोध के उन्नयन हेतु महाविद्यालय की शोध पत्रिका सुकीर्ति प्रकाशनाधीन है। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाविद्यालय में विभागीय स्तर पर सुन्दर नवागत छात्रा स्वागत तथा मनमोहक विदाई समारोह आयोजित किए गए ।

अंतरविषयक ज्ञानवर्धन तथा समसामयिक मुद्दों की समझ हेतु IQAC द्वारा आयोजित एक्सटेंशन लेक्चर सीरीज में विभिन्न अवसरों पर आयोजित व्याख्यानों/ कार्यक्रमों में अग्रलिखित विद्वानों ने शिरकत कीः हिन्दी दिवस पर व्याख्यान प्रो. रविकांत - लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, भारतीय संस्कृति परंपरा पर प्रो. हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति छपरा विश्वविद्यालय, एवं प्रो. आनंद कुमार सिंह, भोज विश्वविद्यालय,मध्यप्रदेश का व्याख्यान, तथा कविता पाठ हेतु नवगीतकार बुद्धिनाथ मिश्र, दिलीप चौहान , अनंत देव पाण्डेय एवं हरीश कुमार हरीश को आमंत्रित करके कविता पाठ कराया गया । इसी क्रम में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सुश्री कामिनी दुबे ,सचिव जिला विधिक सेवा का व्याख्यान महाविद्यालय में आयोजित कराया गया।

देश में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में डॉक्टर सत्येंद्र सिंह, श्री अकबरे आजम, डॉ. निरंजन यादव, डॉ. संगीता मौर्य, डॉ. शशिकला जायसवाल, श्री संतन कुमार राम, डॉ. विकास सिंह, डा. दिवाकर मिश्रा, श्रीमती सारिका सिंह, श्री शिव कुमार, डा. अमित यादव, नेहा कुमारी,कुमारी सुमन,डा. रामनाथ केसरवानी,डा. शिखा सिंह,डा. सर्वेश सिंह एवं श्री अभिषेक कुमार ने 23 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत कर प्रतिभाग किया ।

इसी क्रम में डॉ. संतन कुमार का एक-एक शोधपत्र, तथा श्री अकबरे आजम, डा. निरंजन यादव, डा. शशिकला जायसवाल, डॉ दिवाकर मिश्रा, डा. संगीता मौर्या के दो से अधिक शोध पत्र, आलेख और अध्याय शोध जर्नल्स और पुस्तकों नें प्रकाशित हुए हैं । इसी वर्ष डॉक्टर संगीता मौर्य की आलोचनात्मक कृति 'स्त्री परिधि के बाहर तथा डॉ. शशिकला जायसवाल का उपन्यास 'मंजिले और भी' प्रकाशित हुआ है । समस्त महाविद्यालय को प्रेरणादायी नेतृत्व प्रदान करते हुए स्वयं प्राचार्य महोदया ने आख्यागत वर्ष में वि.वि. एवं शासन में विभिन्न समितियों तथा शासकीय दायित्वों के निर्वहन के साथ-साथ, दो लेख और एक पुस्तक " धर्म संस्कृति और मूल्यबोध" प्रकाशित कराई है । इस वर्ष आपके निर्देशन में एक पीएच.डी. भी अवार्ड हुई है । इसी क्रम में डॉ. शशिकला जायसवाल के नेर्देशन में भी एक पीएच .डी. अवार्ड हुई ।

महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, डॉ.निरंजन कुमार यादव एवं डॉ.आनंद चौधरी ने इस वर्ष दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित रिफ्रेशर कार्यक्रम में प्रतिभाग कर तथा श्री अकबरे आजम, संतन कुमार राम, श्री शिवकुमार, डॉ.विकास सिंह,डॉ पियूष सिंह,डॉ.रामनाथ केसरवानी,डॉ.अभिषेक,मु.एखलाक खान एवं डॉ.सारिका सिंह ने फैकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम एवं राष्ट्रीय कार्यशालाओं में नवीन ज्ञानार्जन कर, उसे मूर्त रुप में महाविद्यालय की छात्राओं के हित में अनुप्रयुक्त किया । डा. संतन कुमार राम ने देहरादून से मैपिंग एवं सेटेलाइट का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

महाविद्यालय में NCC की28वीं UP GIRLS बटालियन की दो प्लाटून में कुल 112 छात्राएं डा. शशिकला जायसवाल के नेतृत्व पंजीकृत हैं। इस सत्र में 97% कैडेट्स ने वाराणसी में आयोजित 10 दिवसीय कंबाइंड ट्रेनिंग कैंप सफलतापूर्वक पूरा किया । रेंजर्स एवं NSS की इकाईयों के साथ मिलकर विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों यथा स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत, निर्मल गंगा यात्रा, अंधऊ में पर्यावरण संरक्षण पर गोष्ठी, मतदाता जागरुकता रैली, विभिन्न महापुरुषों की जयंती का आयोजन तथा जिला प्रशासन के सहायतार्थ वर्ष-पर्यंत विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग किया । इसी वर्ष NCC प्रभारी डा. शशिकला जायसवाल ने आफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी- ग्वालियर में एक माह का कठिन प्रशिक्षण प्राप्त कर टी कोर्स ए श्रेणी में सफलता पूर्वक उत्तीर्ण कर लेफ्टिनेंट रैंक प्राप्त किया ।

महाविद्यालय में रेंजर्स का प्रज्ञा दल अपने टीम लीडर काजल रावत तथा रेंजर प्रभारी श्री शिवकुमार के नेतृत्व में लगातार सक्रिय रहा । महाविद्यालय और नगर

क्षेत्र ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में, जनपद स्तरीय तथा विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रमों में, इस टीम ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। जनपद स्तरीय समागम में प्रज्ञा रेंजर दल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, आजमगढ़ में आयोजित विश्वविद्यालय समागम में महाविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में चार इकाईयां शासन द्वारा स्वीकृत हैं, जो वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमित यादव के निर्देशन में पूरे सत्र समाज में जागरुकता लाने हेतु प्रयासरत रहे । जिसमें विभिन्न घाटो की सफाई, मुहल्लों में परिचर्चा, नारी जागरुकता के अलावा इन इकाईयों द्वारा नुक्कड़ नाटक, साक्षरता एवं मतदाता जागरुकता अभियान के द्वारा जनपद में विशिष्ट पहचान स्थापित की गई है। महाविद्यालय के वार्षिक क्रीड़ा समारोह 'स्पर्धा 2022' का आयोजन 03 एवं 04 मार्च को हुआ, जिसमें श्वेता मौर्य बी.ए. तृतीय सेमेस्टर क्रीड़ा चैंपियन बनीं।
वर्तमान सत्रमें अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डा. बी. एन. पाण्डेय का चयन सतीशचन्द्र कालेज में प्राचार्य पद पर हुआ तथा डा. शम्भूशरण प्रसाद का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण ,वाराणसी के उपनिदेशक पद हुआ । इस सत्र में डॉ. शिखा सिंह,सुश्री ओम शिवानी, कुमारी सुमन,नेहा कुमारी, डॉ. उमाशंकर प्रसाद, डॉ. सर्वेश सिंह, डॉ. रामनाथ केसरवानी ,श्री पियूष सिंह तथा कार्यालय अधीक्षक श्री राधेश्याम कुशवाहा ने इस महाविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया ।
विशिष्ट आयोजनो में- डॉ.उमाशंकर तिवारी और हिन्दी नवगीत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा मानचित्र एवं भूस्थानिक तकनीक विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में हुआ।
"उतिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत" सूत्रवाक्य के साथ वर्तमान प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सविता भारद्वाज जी की विलक्षण प्रतिभा, कुशल प्रशासन, कर्तव्य निष्ठ आचरण एवं स्नेहिल व्यवहार से समग्र रूप में महाविद्यालय में सामाजिक एवं नैतिक तत्वों के समावेश के कारण सर्वांगीण प्रगति प्रारंभ हुई है। महाविद्यालय को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु प्रस्ताव शासन के विचाराधीन है। महाविद्यालय का कुल क्षेत्रफल 4.83 एकड में विस्तृत है जिसका मुख्य परिसर 2.97 एकड तथा भावी विकास हेतु दक्षिणी परिसर 1.76 एकड़, जल निगम परिसर के पीछे अवस्थित है, वहां प्राचार्य जी के सद्प्रयासो से एक आडिटोरियम तथा 200 शयनायन वाला छात्रावास छात्राओं के लिए शासन द्वारा स्वीकृत हुआ है।इस महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की अपेक्षा के अनुरुप प्रायः सभी विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएं संचालित कराये जाने की आवश्यकता है, तदनुरूप पद सृजन की

भी अपेक्षा है। हमें आशा एवं विश्वास है कि शासन, प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से महाविद्यालय अपने वांछित लक्ष्य की पूर्ति में सफल होगा।

धन्यवाद !